कार्यक्रम प्रतिवेदन

''राष्ट्रीय संगोष्ठी''

ग्रामीण विकास में संचार माध्यमों की भूमिका

13 अप्रेल, 2002

प्रस्तावना :

लोकप्रिय ग्रामीण भित्ती पत्र ग्राम गदर के प्रकाशन के बीस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दिनांक 13 अप्रेल, 2002 को गर्वमेन्ट हॉस्टल जयपुर में ''ग्रामीण विकास में संचार माध्यमों की भूमिका'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मन्त्री डा. सी.पी. जोशी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य के सूचना एवं जन सम्पर्क राज्य मन्त्री डा. जितेन्द्र सिंह उपस्थित थे। ख्याति प्राप्त पत्रकार एवं माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय नोएडा परिसर के निदेशक श्री रामशरण जोशी विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित थे तथा इस संगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार श्री राजकिशोर ने की।

संगोष्ठी में बडी संख्या में पत्रकार, ग्रामीण जन एवं ''कट्स'' से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम :

सर्वप्रथम आमन्त्रित अतिथियों का परम्परागत रूप से गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया।

स्वागत उद्‌बोधन :

''ग्राम गदर'' के सम्पादक एवं ''कट्स'' के महामन्त्री श्री प्रदीप सिंह मेहता ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए ''ग्राम गदर'' का प्रकाशन शुरू करने के मूल में छिपी प्रेरणा एवं बीस वर्ष पूर्व की सामाजिक स्थितियों के बारे में जानकारी दी।

श्री मेहता ने बताया कि सन् 1982–83 में जब ग्रामीण भित्ती पत्र ''ग्राम गदर'' का प्रकाशन शुरू किया गया उस समय ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी पहुँचाने के साधन अत्यन्त ही सीमित थे। दैनिक समाचार पत्रों की पहुँच ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत कम थी तथा दूरदर्शन भी अपनी पैठ गांवों में नहीं बना पाया था। ऐसी स्थिति में रेडियों ही एक मात्र माध्यम था जो कि ग्रामीण लोगों तक सूचना पहुँचाने में सक्षम था।

उन्होने अपने भाषण में बताया कि बड़े स्तर पर व्याप्त गरीबी का मूल कारण लोगों में शिक्षा एवं चेतना का अभाव तथा बढ़ती हुई आबादी थे। ऐसी स्थिति में ''ग्राम गदर'' एक प्रयोग के रूप में शुरू कर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक उपयोगी सूचनाएँ पहुँचाने का काम शुरू किया गया। जो कि सार्वजनिक स्थानों पर दीवार पर चिपका दिया जाता था। गाँव के लोग एकत्रित होकर अपनी बेहतरी से सम्बन्धित खबरे पढ़ते थे साथ ही अनपढ़ साथियों को भी पढ़कर सुनाते थे। निःशुल्क रूप ''ग्राम गदर'' की वर्तमान पहुँच लगभग 7,000 गाँवों तक है तथा लगभग 14–15 लाख लोग इसमें प्रकाशित जनउपयोगी खबरों को पढ़ एवं सुनकर लाभान्वित हो रहे है।

श्री मेहता ने कई उदाहरण देकर बताया कि किस प्रकार ग्रामीणजन छोटी–छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जानकारियों को समझकर दिन प्रतिदिन की समस्याओं का सामना करने लगे।

उपभोक्ता जागरूकता, अधिकार एवं कर्तव्य बोध तथा अर्कमन्य सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों पर दबाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्‌दों पर लोगों में चेतना जाग्रत हुई तथा यह सिलसिला अनवरत रूप से चल रहा है।

मुख्य अतिथि का उद्‌बोधन :

गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डा. सी.पी. जोशी ने सर्वप्रथम ''ग्राम गदर'' से जुड़ी अपने पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा कि वे 20 वर्ष पूर्व जब विधान सभा सदस्य थे तब ''कट्स'' के महामन्त्री श्री प्रदीप एस. मेहता से सम्पर्क में थे तथा ग्राम गदर प्रकाशन की मूल सोच एवं विभिन्न विकास के मुद्‌दों पर चर्चा किया करते थे। उन्होने कहा कि 20

वर्ष बाद आज ''ग्राम गदर'' उत्सव में उपस्थित होने पर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है, उन्होने कार्यक्रम आयोजन के लिए मेहता को साधुवाद के पात्र बताया।

उन्होने आगे कहा कि इलेक्ट्रोनिक मीडिया द्वारा लोगों तक घटनाओं का तुरन्त वास्तविक चित्रण पहुँच जाता है। परन्तु यह क्षणिक होने के कारण अपना प्रभाव प्रिंट मीडिया की तरह कायम नहीं रख पाता है। इस तरह प्रिन्ट मीडिया की महत्वता कभी कम नहीं हो सकती इसे हमेशा संग्रह कर रखा जा सकता है। साथ ही, डा. जोशी ने आवश्यकता जताई कि मीडिया, व्यवस्था की कमियों को उजागर करने के साथ–साथ सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देकर आमजन को विकास की ओर प्रेरित करे।

पंचायत राज संस्थाओं को अधिक अधिकार दिये जाने के साथ–साथ संविधान के 73 व 74वे संशोधन की चर्चा करते हुए उन्होने इसे क्रियान्वित करने और सुधार लाने के बारे में स्वयं द्वारा किये गये प्रयासों की चर्चा की।

विकास की परम्परागत परिभाषा को बदले हुए परिपेक्ष्य में केवल भौतिक संसाधनों के सृजन तक ही सीमित न रखकर मानव संसाधन विकास को अधिक महत्वपूर्ण बताते हुए डा. जोशी ने संचार माध्यमों द्वारा मानव संसाधन विकास से जुड़े मुद्दों पर अधिक ध्यान देने तथा विकास के नये आयामों को परिभाषित करने की अपील की। उन्होने कहा कि लोगों तक जरूरी ज्ञान व सूचनाओं का पहुँचना विकास की प्रक्रिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सूचना के अधिकार की चर्चा करते हुए डा. जोशी ने इसका अधिकाधिक प्रयोग करने में संचार माध्यमों के सहयोग की जरूरत बताते हुए कहा कि राज्य की वास्तविक स्वामी जनता होती है तथा सरकार केवल इनकी प्रतिनिधि है जबकि वर्तमान में ये स्थिति उलट प्रतीत होती है।

''ग्राम गदर'' द्वारा जनता को जाग्रत एवं सशक्त करने हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए डा. जोशी ने सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

ग्राम गदर स्मारिका का विमोचन :

प्रकाशन के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ''ग्राम गदर स्मारिका'' का विमोचन मुख्य अतिथि श्री सी.पी. जोशी, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मन्त्री, राजस्थान के कर कमलो द्वारा किया गया।

विशिष्ट अतिथि का उद्‌बोधन :

सूचना एवं जन सम्पर्क राज्य मन्त्री डा. जितेन्द्र सिंह ने गोष्ठी के विषय की प्रांसगिकता को रेखांकित करते हुए ग्रामीण विकास को सुनिश्चित करने में शिक्षा के प्रसार की आवश्यकता बताई तथा कहा कि शिक्षा एवं जानकारी के अभाव में ग्रामीण जनता सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाती है। इस स्थिति में संचार माध्यम ग्रामीण जनता को जानकारी प्रदान कर विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग कर सकते हैं।

आगे उन्होने कहा कि शिक्षा के बारे में हम चाइना की तुलना करे तो हमारे देश में चाइना से छः गुना अधिक स्नातकोत्तर हैं परन्तु प्राथमिक शिक्षा एवं साक्षरता के क्षेत्र में हम उनसे बहुत पीछे हैं। हमें शिक्षा को छोटी–छोटी ढ़ाणियों तक पहुँचाना पड़ेगा।

उन्होने कहा कि सूचना के साधन उपलब्ध है तो भी बड़ी संख्या में निरक्षरों की उपस्थिति एक चुनौती खड़ी करती है। छोटे समाचार पत्रों के कल्याण हेतु सरकारी प्रयासों के बारे में बताते हुए डा. सिंह ने कहा कि स्थाई प्रभाव उत्पन्न करने के मामले में इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रिन्ट मीडिया को कभी भी टक्कर नहीं दे सकता है।

विशिष्ट वक्ता उद्‌बोधन :

विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए ख्याति नाम पत्रकार एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, नोएडा परिसर के निदेशक श्री रामशरण जोशी ने ''ग्राम गदर'' की सराहना करते हुए संचार माध्यमों के पूर्ण रूप से व्यवसायीकृत हो जाने की सम्भावनाओं पर चिन्ता व्यक्त की।

इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यमों की तीव्र गति के कारण बढ़ रहे उपभोक्तावाद पर चर्चा करते हुए श्री जोशी ने कहा कि विकसित एवं विकासशील देशों की प्राथमिकताओं में अन्तर को पहचानते हुए ही संचार माध्यमों को अपनी भूमिका निभानी चाहिये। जनता एवं सरकार के बीच विसंगतियों को दूर करने की महत्वपूर्ण जिम्मदारी संचार माध्यमों की ही है।

श्री जोशी के अनुसार गरीबी दूर करने हेतु उसके कारणों को पहिचान कर उन्हे दूर करने की आवश्यकता है।

एक प्रश्नकर्ता समाज के निर्माण के बिना उद्देश्यों की पूर्ति नहीं होगी इसलिये संचार माध्यमों को सतही प्रभाव तक ही सीमित न रह कर जन चेतना को प्रभावकारी रूप में उद्द्वेलित करने का प्रयास कर समाज में गुणात्मक परिवर्तन लाना चाहिये।

ग्राम गदर पत्रकारिता पुरस्कार वितरण :

''ग्राम गदर के प्रकाशन के बीस वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ग्रामीण विषयक पत्रकारिता को बढ़ावा देने हेतु इस वर्ष से तीन विषयों ''बालश्रम'', ''महिला विकास'' एवं ''ग्रामीण विकास में भ्रष्टाचार'' पर ग्राम गदर पत्रकारिता पुरस्कार शुरू किये गये है। इन पुरस्कारों में प्रशस्ति पत्र एवं तीन–तीन हजार रूपये का नकद पुरस्कार शामिल है।

तीन वरिष्ठ पत्रकारों की चयन समिति ने इन तीनों विषयों पर वर्ष 2002 हेतु अग्रलिखित पत्रकारो का चयन किया:

''बाल श्रम'' :	श्री ओ.पी. भवण, ब्यूरो चीफ, दैनिक भास्कर, फुलेरा
''महिला विकास'' :	श्री निलेश काँठेड, जिला संवाददाता, राजस्थान पत्रिका, चित्तौडगढ़
''ग्रामीण विकास में भ्रष्टाचार'' :	श्री जगदीश श्रीमाली, जिला संवाददाता, दैनिक नवज्योति, राजसमन्द

समारोह में इन पुरस्कारों को विधिवत प्रदान किया गया।

अध्यक्षीय भाषण :

वरिष्ठ पत्रकार श्री राजकिशोर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में मुद्दों के अन्तर को पहचानने की आवश्यकता पर जोर देते हुए ग्रामीण मुद्दों के सीमित कवरेज पर दुख व्यक्त किया। उनके अनुसार लोगों को उनकी भाषा में ही उच्च श्रेणी की सूचनाएँ दी जानी चाहिये।

देश के प्रमुख समाचार पत्रों में ग्रामीण समस्याओं पर कवरेज न मिलने पर श्री राजकिशोर ने कहा कि संचार माध्यमों को पूर्णतः व्यावसायिक दृष्टिकोण न अपनाते हुए ऐसे मुद्दों को प्रमुखता देनी चाहिये जो कि आम–जन से जुड़े हुए हैं।

संचार माध्यमों की अपनी पहुँच का लगातार विस्तार करने हेतु प्रयत्नशील रहना चाहिये तथा एक सजग उपभोक्ता एवं उत्पादक समाज का निर्माण करना चाहिये। उपभोक्ताओं का न केवल संरक्षण बल्कि उपभोक्ता निर्माण द्वारा ही आर्थिक प्रगति सम्भव है।

सूचना के अधिकार के महत्व पर श्री राजकिशोर ने कहा कि पश्चिम के देशों में भी पहले यहाँ जैसे ही विषम हालात थे लेकिन सवालिया समाज के निर्माण द्वारा ही वहाँ पर प्रगति सम्भव हो पाई है।

वर्तमान परिदृश्य से निराश न होने की सलाह देते हुए उन्होने कहा कि छोटे–छोटे प्रयासों से ही इस स्थिति को बदला जा सकता है तथा देश में ऐसे प्रयास हो भी रहे हैं।

गोष्ठी के अन्त में ''कट्स'' के अध्यक्ष श्री आर.एन. डे ने सभी आगन्तुकों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

गोष्ठी का संचालन विनायक पाण्डेय ने किया।